

प्रेषक,

सुनीलश्री पांथरी,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग- 5

देहरादून, दिनांक, 23 नवम्बर 2009

विषय: वित्तीय वर्ष 2009-10 में राज्य योजना के अन्तर्गत ट्रामा सैन्टर, कोटद्वार, जनपद पौड़ी गढ़वाल के भवन निर्माण के सम्बन्ध में

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0-75/1/ट्रामा सैन्टर/45/2007/41425 दि0 03.11.09 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2009-10 में राज्य योजना के अन्तर्गत ट्रामा सैन्टर, कोटद्वार, जनपद पौड़ी गढ़वाल के भवन निर्माण हेतु आगणन की आंकलित राशि रू0 111.14 लाख के सापेक्ष औचित्यपूर्ण धनराशि रू0 103.28 लाख पर प्रशासकीय/वित्तीय अनुमोदन प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में उक्त भवनों के निर्माण कार्य हेतु संलग्नकानुसार रू0 24,12,000.00 (रू0 चौबीस लाख बारह हजार मात्र) के व्यय की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों हेतु प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं :-

- 2- एकमुश्त प्राविधानों को कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर निम्नानुसार सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 3- कार्य कराते समय लो0नि0 विभाग के स्वीकृत विशिष्टियों के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाये। कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेंन्सी कर होगा।
- 4- धनराशि तत्काल आहरित की जायेगी तथा परियोजना प्रबन्धक, निर्माण इकाई उत्तराखण्ड पेयजल निगम, पौड़ी गढ़वाल को उपलब्ध करायी जायेगी। कार्य के प्रगति की निरन्तर समीक्षा करते हुये कार्य को समयबद्ध ढंग से शीघ्र पूर्ण कराया जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में इसी वित्तीय वर्ष में सुनिश्चित किया जायेगा। विलम्ब की दशा में आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।
- 5- स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित बाऊचर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्रावधानों में मैनुअल तथा शासन द्वारा मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 6- कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शैड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं। अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 7- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त किया जाये।
- 8- निर्माण कार्य करने व निर्माण सामग्री क्रय करने हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली का कड़ाई से पालन किया जाए।
- 9- कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा जितना कि स्वीकृत मानक है। स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 10- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
- 11- कार्य करने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्चधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा ले। निरीक्षण के पश्चात आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाये।

- 12- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला में अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय ।
- 13- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है उसी पर व्यय किया जाये। एक मद की राशि को दूसरी मद में कदापि व्यय न किया जाये।
- 14- स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर शासन को उपलब्ध करायी जायेगी तथा यह भी स्पष्ट किया जायेगा कि इस धनराशि से निर्माण का कौन सा अंश पूर्णतया निर्मित किया गया है।
- 15- निर्माण के समय यदि किसी कारण वंश यदि परिकल्पनाओं/विशिष्टियों में बदलाव आता है तो इस दशा में शासन की पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी।
- 16- निर्माण कार्य से पूर्व नींव के भू-भाग की गणना आवश्यक है, नींव के भू-भाग की गणना के आधार पर ही भवन निर्माण किया जाये।
- 17- जी0पी0डब्लू0 फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- 18- मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन के शा0सं0-2047/xiv-219(2006) दिनांक 30-05-2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य करते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- 19- कार्यदायी संस्था से वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 475/XXVII(7)/2008 दिनांक 15.12.08 द्वारा निर्धारित प्रारूप पर एम0ओ0यू0 करना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 19- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय आय-व्यय 2009-10 अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय, आयोजनागत, 01-शहरी स्वास्थ्य सेवायें 110-अस्पताल तथा औषधालय, -00-18-राष्ट्रीय राजमार्गों पर ट्रामा सेंटर का निर्माण, 24-वृहद् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- 20- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0-393(P)वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2008 दिनांक 23.11.09 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सुनीलश्री पांथरी)
उप सचिव

संख्या-1374(1)xxviii-5-2009-62/2008 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून।
- 2- निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3- आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊं मण्डल उत्तराखण्ड।
- 4- स्टॉफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड।
- 5- जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल।
- 6- वित्त नियंत्रक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड।
- 7- मुख्य चिकित्साधिकारी, पौड़ी गढ़वाल।
- 8- मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून/पौड़ी गढ़वाल।
- 9- अपर सचिव, मा0 मुख्यमंत्री।
- 10- परियोजना प्रबन्धक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, पौड़ी गढ़वाल।
- 11- बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
- 12- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु0-3/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0।
- 13- मीडिया सेंटर, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
- 14- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सुनीलश्री पांथरी)
उप सचिव

(धनराशि रू० लाख में)					
क्र. सं.	कार्य का नाम	जनपद	निर्माण इकाई	अनुमोदित लागत	2009-10 में स्वीकृत की जा रही धनराशि
	1	2	3	4	6
1	ड्रामा सैन्टर, कोटद्वार का भवन निर्माण	पौड़ी गढ़वाल	उत्तराखण्ड पेयजल निगम	103.28	24.12

(रुपये चौबीस लाख बारह हजार मात्र)

(सुनीलश्री पांथरी)
उपसचिव

वाराणसी (अवर सचिव)